**भारत सरकार**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या : 3300**
**दिनांक 12 मार्च, 2026**

**ओडिशा में बीपीसीएल एथनॉल जैव-परिशोधनशाला परियोजना की स्थिति**

**†3300. श्री प्रदीप पुरोहितः**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा के बरगढ़ जिले में बीपीसीएल की एकीकृत एथनॉल जैव-परिशोधनशाला परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और क्या निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और वाणिज्यिक परिचालन शुरू हो गया है;

(ख) यदि हां, तो परियोजना के कुल स्वीकृत निवेश या पूंजी लागत कितनी है, उपयोग की गई तकनीक (1जी/2जी एकीकृत) क्या है और अपेक्षित वार्षिक एथनॉल उत्पादन क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ग) परियोजना के कार्यान्वयन और इसे शुरू करने की संशोधित समय-सारिणी का ब्यौरा क्या है और यदि कोई विलंब हुआ है तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या इस संयंत्र से पहले ही कोई एथनॉल उत्पादित किया जा चुका है या भेजा जा चुका है और यदि हां, तो उत्पादन की तिथि क्या है और मात्रा कितनी है;

(ङ) एक बार इस परियोजना के शुरू होने के बाद इससे सृजित और भविष्य में सृजित होने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अनुमानों का ब्यौरा क्या है; और

(च) पश्चिमी ओडिशा में एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम और किसानों की आय में सहायता के संदर्भ में इस परियोजना से अपेक्षित मूर्त लाभों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री सुरेश गोपी)**

(क) से (च): प्रधानमंत्री जी-वन (जैव ईंधन – वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना के तहत, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने ओडिशा के बारगढ़ में पहली पीढ़ी (1जी) और दूसरी पीढ़ी (2जी) की इथेनॉल उत्पादन फैसिलिटी वाली एक एकीकृत जैव-रिफाइनरी बनाई है। मेसर्स प्राज इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस परियोजना के लिए प्रौद्योगिकी प्रदाता है।

इस जैव रिफाइनरी की कुल अनुमोदित पूंजी लागत कर सहित 1775 करोड़ रुपये है। 1जी इथेनॉल संयंत्र की डिज़ाइन की गई वार्षिक उत्पादन क्षमता 3.3 करोड़ लीटर है और 2जी इथेनॉल संयंत्र की 3 करोड़ लीटर है, जो ईबीपी कार्यक्रम को सहायता करने के लिए परिकल्पित है।

परियोजना के निर्माण के दौरान, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार के लगभग 15.25 लाख मानव-दिवस पैदा हुए। संयंत्र के पूरे परिचालन चरण के दौरान लगभग 725 लोगों को रोज़गार मिलने का अनुमान है। इसके अलावा, जैवमास आपूर्ति श्रृंखला से लगभग 1200 ग्रामीण लोगों को अप्रत्यक्ष रोज़गार मिलने और लगभग 250 स्थानीय उद्यमी, किसानों और ग्रामीण महिलाओं के स्वयं-सहायता समूह में उद्यमिता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

महामारी की अवधि के दौरान आई रुकावटों, विशेषीकृत प्रौद्योगिकी वाले वेंडर्स की सीमित उपलब्धता और कतिपय महत्वपूर्ण उपकरण के लिए डिलीवरी की समय-सीमा में बढ़ोतरी जैसे कारकों से कार्यान्वयन समय-सीमा प्रभावित हुई। इसके अलावा, वाणिज्यिक स्तर पर उत्पादन के लिए 2जी इथेनॉल प्रौद्योगिकी अभी भी आरंभिक अवस्था में है और दुनिया भर में परियोजना के विकासकर्ता जैवमास रूपांतरण प्रक्रिया में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिससे पारंपरिक संयंत्रों की तुलना में कमीशनिंग समय-सीमा लंबी हो रही है।

*****